PPMN

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र - राज्य सरकार से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

सहयोग आपका प्रयास हमारा

परिष्कार पत्रिका

प्रगति की ओर

जयपुर सहित, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, ब्यावर, जोधपुर, बानसूर, अलवर, कोटपूतली, बहरोड़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कानोता, बस्सी, नीम का थाना, रींगस, सीकर, कोटा, शिवदासपुरा, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, बीकानेर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश में प्रसारित

बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ

जरूरी सूचना
यदि आपके पास परिष्कार पत्रिका डाक से आता है और हर माह की 10 व 25 तारीख को पाबंदी से नहीं आ रहा है, तो अपने पोस्टमास्टर या डाकिए से हमारी बात कराएं या सूचित करें। इसका निश्चित रूप से समाधान निकलेगा।
सम्पर्क करें
8764400196

पोस्टल रजि. Jaipur City/ 240/ 2024-26 पाक्षिक (हिन्दी राष्ट्रीय) मूल्य 2 रूपए

विशेषांक

E-Mail : parishkarpatrika@gmail.com

वर्ष - 24 » अंक 9 » जयपुर: 8 दिसम्बर 2025 2025 से 22 दिसम्बर 2025 » RNI No : RAJHIN/2002/09810 »

भारत दर्शन अभियान के तहत कश्मीर से राजस्थान आए विद्यार्थी

राज्यपाल बागड़े से 25 विद्यार्थियों की मुलाकात

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से लोक भवन में रविवार को भारत दर्शन अभियान के तहत कश्मीर के 25 विद्यार्थियों ने मुलाकात की। राज्यपाल ने इस दौरान भारत भ्रमण से जुड़े इन विद्यार्थियों के अनुभव सुने। उन्होंने कहा कि भारत दर्शन एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना से साक्षात होना है। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक विविधता में एकता की भारत-भूमि की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पूर्व सैनिकों के सम्मान में ऑनर रन मैराथन का आयोजन

वीर सैनिकों की राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा हमारे लिए प्रेरणादायी

जवानों को उचित सम्मान देना हर नागरिक का कर्तव्य : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे वीर जवान अपने परिवार से दूर रहकरए कठिन परिस्थितियों में निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते हैं। उनके अदम्य साहस और बलिदान के कारण ही हम सभी देशवासी चैन और सुकून से रह पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व सैनिक केवल सेवानिवृत व्यक्ति नहींए बल्कि अनुभव और अनुशासन के प्रतीक हैं। उनकी राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा हम सब के लिए प्रेरणादायी है। यह देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह जवानों को उचित मान-सम्मान दें।

शर्मा ने जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर थलसेना की दक्षिण पश्चिमी कमान की ओर से पूर्व सैनिकों की वीरता और बलिदान के सम्मान में आयोजित ऑनर रन मैराथन को फ्लैग ऑफकिया। यह मैराथन सेना दिवस 15 जनवरी के उपलक्ष्य में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में आयोजित की गई। मैराथन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़ हमारे राष्ट्र

के उन अमर सपूतों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसका उद्देश्य हमारे पूर्व सैनिकों के साहसए बलिदान और अदम्य भावना का सम्मान करना है, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनर रन के माध्यम से हम यह सन्देश देना चाहते हैं कि राजस्थान अपने सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि ऑनर रन का आयोजन हमारी सामूहिक चेतना की अभिव्यक्ति है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे हमारे जांबाज सैनिकों के त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर देश के निर्माण में अपना योगदान दें।

ऑनर रन में नजर आया भारी उत्साह और जोश - अल्बर्ट हॉल पर आयोजित ऑनर रन मैराथन में 5 किलोमीटरए 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर की 3 श्रेणियों की दौड़ आयोजित की गई। मैराथन में सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों एवं आमजन ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। देशभक्ति के तरानों के बीच भारत माता की जयकार से माहौल जोश से भर उठा। कार्यक्रम में सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान पूर्व नौसेना अध्यक्ष एडमिरल माधवेन्द्र सिंह एवं जयपुर जिला कलक्टर डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में सेना के जवान, पूर्व सैनिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने किया विद्याभारती क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन

विद्या भारती दूरस्थ स्थानों, वंचितो को शिक्षा प्रदान करने में निभा रहा महती भूमिका

विद्याभारती संगठन नहीं संस्कार निर्माण से जुड़ी शिक्षण संस्कृति है - राज्यपाल

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्याभारती संगठन नहीं भारत में संस्कार निर्माण से जुड़ी शिक्षण संस्कृति है। उन्होंने कहा यह शिक्षा प्रदान करने से जुड़ा राष्ट्र का सबसे बड़ा गैर सरकारी संस्थान ही नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के चरित्र को गढ़ने वाला राष्ट्रीय अभियान है। बागडे विद्याभारती क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्याभारती संगठन के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि गोरखपुर में नानाजी देशमुख की प्रेरणा से भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करने की सोच से पहला सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित हुआ। बाद में अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के रूप में विद्याभारती संस्थान के तहत देशभर में विद्यालयों की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक शिक्षा से जोड़कर राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करने में आज विद्याभारती महती भूमिका निभा रहा है। यह संगठन रटंत-आधारित शिक्षा को समाप्त कर नवाचार-केंद्रित शिक्षा के प्रसार में जो भूमिका निभा रहा है, वह अतुलनीय है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में विद्या भारती विद्यालयों की प्रासंगिकता बताते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के अंतर्गत छात्रों को अनुभव और अनुकरण के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्या भारती प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपराओं को एकीकृत करते हुए मूल्य-आधारित शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय जागरूकता के लिए जो कार्य करता आ रहा है, उसका प्रभावी प्रसार भी दूसरे क्षेत्रों में हो। राज्यपाल ने दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर विद्या भारती द्वारा ग्रामीण, वनवासी, पर्वतीय और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में शिशु वाटिकाओं से उच्च शिक्षा तक की सुविधा प्रदान करने में निभाई जा रही भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इससे पहले राज्यपाल ने विद्याभारती के क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने धरती आबा बिरसा मुंडा को याद करते उन्हें नमन किया।

7 दिसम्बर 2025 को सरस्वती बालिका उच्च माध्यमिक विद्या मन्दिर सेक्टर-2, जवाहर नगर में हुआ। मुख्यअतिथि महामहिम राज्यपाल

हरिभाऊ किसनराव बागड़े, राजस्थान एवं मुख्य वक्ता शिवप्रसाद मंत्री विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के संगठन मंत्री गोविन्द कुमार ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुये कहा कि हम 2027 में विद्या भारती का अमृत महोत्सव मनाने जा रहे है, इस अवसर पर हमें 2035 तक की याजेना बनाते हुये हमारे विद्यालयों को नवीन तकनीक एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानदण्डों के अनुरूप तैयार करना है, जिससे हम समाज में गुणवत्तापर्णू शिक्षा दे सके। मुख्य वक्ता शिवप्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को आधार बनाकर आगे बढें किन्तु हम हमारे पारम्परिक संस्कार एवं गुणवत्ता को बनाये रखें। उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान कर युवा पीढ़ी को वर्तमान चुनौतियों का सफलता पूर्वक सामना करने हेतु सक्षम बनाये। कार्यक्रम के अन्त में विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के अध्यक्ष परमेन्द्र दशोरा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

एमजीएस विश्वविद्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

डॉ अंबेडकर संविधान निर्माता के साथ ना केवल देश के बल्कि पूरे विश्व के महान अर्थशास्त्री भी थे- केंद्रीय कानून मंत्री

कृष्कोलंबिया विश्वविद्यालय ने 300 साल के इतिहास में डॉ अंबेडकर को सर्वाधिक प्रतिभावान मानते हुए मूर्ति लगाई

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारतर डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर में केंद्रीय कानून एवं विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेघवाल ने प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मेघवाल ने विश्वविद्यालय परिसर में विधि विभाग के डॉ अंबेडकर भवन के सामने पार्क में बरगद के पौधे का रोपण भी किया। विधि के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया। डॉ अंबेडकर ना केवल देश के बल्कि पूरे विश्व के महान अर्थशास्त्री थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित की गई डॉ अंबेडकर की यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देगी। उन्होंने कहा कि डॉ अंबेडकर को संविधान निर्माता और दलितों के मसीहा के रूप में जाना जाता है लेकिन वे ना केवल देश के बल्कि पूरे विश्व के महान अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने द प्रॉब्लम ऑफरूपी नामक किताब लिखी। लंदन स्कूल ऑफइकोनॉमिक्स में डॉ अंबेडकर का पोर्ट्रेट भी लगाया गया। इसी वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस पर यूनेस्को के पेरिस मुख्यालय में डॉ अंबेडकर की मूर्ति लगाई गई है।

कोलंबिया विश्वविद्यालय ने डॉ अंबेडकर को 300 साल के इतिहास में सर्वाधिक प्रतिभावान माना - केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय में जहां डॉ अंबेडकर पढ़े, ने 300 साल के इतिहास का सर्वे करवा कर डॉ अंबेडकर को सर्वाधिक प्रतिभावान छात्र मानते हुए विश्वविद्यालय परिसर में उनकी मूर्ति स्थापित की और मूर्ति के नीचे लिखा सिंबल ऑफनॉलेज ज्ञान का प्रतीक।

मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में डॉ अंबेडकर की प्रतिमा नहीं थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर कोर्ट नं 01 में जहां मुख्य न्यायाधीश बैठते हैं, डॉ अंबेडकर की मूर्ति लगाने पर मेघवाल ने देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का आभार भी जताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो अनिल कुमार छंगाणी, डॉ अभिषेक वशिष्ट समेत अन्य अधिष्ठाता, निदेशक, डॉ सत्यप्रकाश आचार्य समेत अन्य गणमान्य लोग व विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, शोधार्थी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई दी

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल की जैकेट पर झंडा-बैज लगाया

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई दी है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रविवार को सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल की जैकेट पर प्रतीकात्मक रूप में झंडा बैज लगाया। राज्यपाल ने इस मौके पर अपनी ओर से सैनिकों के कल्याण हेतु स्थापित फंड में अपनी ओर से आर्थिक राशि का सहयोग भी किया। राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर देश के जांबाज सैनिकों का स्मरण करते हुए उनकी शहादत को नमन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उन बहादुर सैनिकों के प्रति कृतज्ञ हैं, जो अपने अदम्य साहस के साथ देश की सीमाओं पर तैनात हमारी रक्षा करते हैं। राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिकों के कल्याण के लिए स्थापित फंड में सभी को मुक्त हस्त से सहयोग करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए अहर्निश समर्पित सैनिकों और उनके परिजनों का कल्याण हमारी प्राथमिकता होना चाहिए।

शिक्षा मानवीय मूल्यों एवं चरित्र निर्माण का आधार : शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

टोंक। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि शिक्षा मानवीय मूल्यों एवं चरित्र निर्माण का आधार होना चाहिए। शिक्षकों को किताबी ज्ञान के साथ बच्चों में व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए सार्थक प्रयास करने होगें, ताकि हमारे बच्चे किसी भी स्तर पर पीछे नही रहें। हमारा दायित्व है कि बच्चों में सर्वांगीण शिक्षा का विकास हो तथा वह जिस क्षेत्र में भी जाये वहां अपने देश, समाज एवं परिवार का नाम रोशन करें।

दिलावर शनिवार को जिला मुख्यालय टोंक के एक निजी रिसोर्ट में पीएम श्री विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के आमुखीकरण कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान में विगत दो वर्ष में शिक्षा में कई नवाचार किये गये है। इससे न केवल शिक्षा के स्तर में सुधार आया हैए बल्कि बच्चों के नैतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान में भी बढ़ोतरी हुई है। देश में राज्य ने शिक्षा के स्तर में सुधार को लेकर लंबी छलांग लगाई है। पहले यह 12 वें स्थान पर था, अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह हमारी सरकार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता एवं संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तीन दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला में समाज की अनेक प्रकार की समस्याओं के समाधान में मानवीय मूल्यों की आवश्यकता के बारे में बताया जाएगा। मानवीय मूल्यों की शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तियों में

प्रेम, करुणा, सत्य, अंहिसा, सम्मान और जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास करना है, ताकि बच्चे नैतिक निर्णय ले सके। साथ ही भावनात्मक रुप से बुद्धिमान बनकर समाज व पर्यावरण के प्रति सकारात्मक योगदान दे सकें। इससे पूर्व कार्यशाला की शुरुआत मां शारदे की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं वंदेमातरम गीत के साथ हुई। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, जिलाध्यक्ष चन्दवीरसिंह चौहान, शिक्षामंत्री के विशेषाधिकारी ओएसडी सतीश गुप्ता, दक्ष प्रशिक्षक डॉ एसडी चारण, बृजकिशोर शर्मा, सीडीईओ सुबे सिंह यादव, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा समेत अजमेर एवं जयपुर संभाग के प्रधानाचार्य मौजूद रहें।

सरकारी स्कूल पढ़ाई में निजी से आगे, जल्द लागू होगा संस्कारों वाला सिलेबस

शिक्षा में राजस्थान देश में तीसरे नंबर पर : शिक्षा मंत्री

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान में शिक्षा का स्तर लगातार सुधर रहा है। हम सभी की भागीदारी और प्रयासों से ही राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। आज सरकारी स्कूल पढ़ाई और गुणवत्ता के मामले में निजी विद्यालयों से कहीं आगे निकल चुके हैं। शिक्षा मंत्री दिलावर बूंदी जिला स्थित पेच की बावड़ी के राजकीय विद्यालय में 1.10 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित विज्ञान संकाय के कक्षा-कक्षों का लोकार्पण करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

जल्द मिलेगा मानवीय मूल्यों वाला पाठ्यक्रमः समारोह में शिक्षा मंत्री ने संस्कार युक्त शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों से ओत-प्रोत शिक्षा देने के लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है। इसके लिए नया सिलेबस तैयार किया जा चुका है और जल्द ही इसे लागू किया जाएगा। संस्कार युक्त शिक्षा से ही एक बेहतर और सभ्य समाज का निर्माण संभव है।

प्रतिभाओं का सम्मान और आवास की चाबियां सौंपी : कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को उनके सपनों के घर की चाबियां सौंपी। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों और खेल प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में स्कूली छात्राओं ने स्वागत

गीत और राजस्थानी गीतों पर आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, हिंडोली प्रधान कृष्णा माहेश्वरी, रामेश्वर मीणा, कालूलाल जांगिड़, शौकीनचंद राठौड़, पंचायत प्रशासक सीमा देवी मीणा, बाबूलाल मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

जो अपने हाथों से अधिक सीखता है, प्राकृतिक चिकित्सा में वही श्रेष्ठ विशेषज्ञ बनता है : डॉ शर्मा

जैविभा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो दूगड़ के साथ अभा प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की प्राकृति चिकित्सा पर चर्चाए छात्रों को दिया मार्गदर्शन

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

लाडनूं। अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार के योग प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड के पूर्व सलाहकार डॉ शिवकुमार शर्मा ने जैन विश्व भारती डीम्ड यूनिवर्सिटी में संचालित बीएनवाईएस मेडिकल डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य प्राकृतिक चिकित्सा का है। आज विश्व पुनः रिटर्न टू नेचर की अवधारणा की ओर बढ़ रहा है, जिसे महात्मा गांधी ने वर्षों पूर्व अपनाया था। आधुनिक विकसित देश भी प्राकृतिक चिकित्सा की प्रभावशीलता को समझते हुए इसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे विदेशों में भी इस चिकित्सा पद्धति की मांग तेजी से बढ़ रही है। डॉ शर्मा ने विद्यार्थियों को सुझाव देते हुए कहा कि नेचुरोपैथी में कौशल, अनुशासन और प्रैक्टिकल ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, जिसने अपने हाथों से अधिक सीखा, वही इस चिकित्सा में श्रेष्ठ विशेषज्ञ बनता है। हुनरमंद और समर्पित व्यक्ति ही चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़कर सफल होते हैं।

इस अवसर पर डॉ शिवकुमार शर्मा ने कुलपति प्रो बच्छराज दूगड़ का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने जिन ऊंचाइयों को प्राप्त किया है, वह प्रेरणादायी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में यह संस्थान प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाएगा। इससे पूर्व उन्होंने कुलपति कार्यालय में कुलपति प्रो बच्छराज दूगड़ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने कुलपति प्रो दूगड़ के साथ आधुनिक समय में प्राकृतिक चिकित्सा की बढ़ती उपयोगिता, इसके विकास की दिशाए तथा समसामयिक चुनौतियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। कुलपति ने उन्हें बताया कि विश्वविद्यालय में

आचार्यश्री महाप्रज्ञ योग एंड नेचुरोपैथी मेडिकल कॉलेज की स्थापना इसी वर्ष की गई। उन्होंने उन्हें यहां के नेचुरोपैथी मेडिकल कॉलेज के शैक्षणिक ढांचे, शिक्षकों, प्रशिक्षण प्रणाली और भावी योजनाओं के बारे में अवगत करवाया तथा सभी सम्बंधित पहलुओं पर सार्थक चर्चा की। दोनों विद्वानों ने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय ओर उससे जुड़े हुए नेचुरोपैथी अस्पताल की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक सुझाव भी प्रस्तुत किए। इससे पहले अ भा प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ शर्मा ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित मेडिकल महाविद्यालय एवं चिकित्सालय का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कॉलेज के नेचुरोपैथी विभागीय अध्यक्ष प्रो डॉ विजय शर्मा ने उन्हें सभी विभागों, आउटडोर व इंडोर सेवाओं, उपचार तकनीकों तथा उपलब्ध संसाधनों की जानकारी दी। उत्तर भारत के आधुनिकतम नेचुरोपैथी चिकित्सालयों में शामिल इस केंद्र की सुव्यवस्थित व्यवस्था, सुंदर कक्ष, आधुनिक उपकरणों तथा शांत, प्रदूषण-रहित वातावरण की उन्होंने विशेष प्रशंसा की। हरियाली से घिरे परिसर में पक्षियों की चहचहाहट और आध्यात्मिक शांति का वातावरण रोगियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहायक माना गया।

सम्पादकीय

परिष्कार पत्रिका जयपुर। क्रांति का मूल : तप
संसार की दृष्टि में वही व्यक्ति बलवान हो सकता है जिसके हाथ या तो पैसा हो अथवा बंदूक। चीनी नेता कहते थे क्रांति या ताकत बंदूक की नली से निकलती है। उनकी बात ठीक सकती क्या पता, ताकत बंदूक की नली से निकलती होगी? लेकिन जिसको हम आध्यात्मिक ताकत कहते है, उस आध्यात्मिकता की शक्ति को यदि आप स्वीकार करते हो तो मैं यह कहता हूं कि यह ताकत एक ही जगह से निकलती है और उसका नाम है तपश्चर्या। तपश्चर्या के अलावा वह कहीं से नहीं निकलती है और न निकल सकती है।

गुयजी और ये भजन-पूजन? बेटे, ये तो उसके श्रृंगार है। जिस तरह बंदूक की, तलवार की मूठ तरह-तरह की होती है, म्यान तरह-तरह के होते हैं। कोई मूठ किसी चीज की बनी होती है, कोई सोने की बनी होती है, किसी में हीरे के नग जुडे होते है। तरह-तरह के श्रृंगार होते हैं और तलवार की कीमत ज्यादा हो जाती है। हम जानते है कि किसी जमाने में बादशाह की तलवारें बहुत अच्छी और कीमती होती थी। ये श्रृंगार के कारण थी। इसी तरह मंत्र आपके श्रृंगार है, जब आपके श्रृंगार है, पूजा आपके श्रृंगार है, शक्ति का स्त्रोत नहीं है। अगर ये शक्ति के स्त्रोत रहे होते तो पंडित के पास तो अब तक कब की ताकत आ गई होती। पंड़ित तो सारे देवी-देवताओं का पाठ करना जानते हैं। आप नहीं जानते, आपको देवी का, चंड़ी पाठ करना नहीं आता, परंतु पंडित जी को आता है। पंडित जी श्लोक बोनला ठीक से जानते हैं, आपको नहीं आता। अगर इसके साथ तप भी जुड़ा होता तो, अब तक पंडित अमीर हो गए होते, करोड़पति हो गए होते। दुनिया के मालिक हो गए हो गए होते, अगर इनके कर्मकांडों में ताकत रही होती।

मित्रों कर्मकांडों में ताकत नहीं है। ताकत वहां होती है, जहा पर अपने आप को तपाने के बाद में आदमी शक्ति का उदय करते हैं। हमने आपको श्रृंगी ऋषि का किस्सा बताया था और कितनों का किस्सा बताया था। ऋषियों के पास किसकी महत्ता थी, क्या महत्ता थी बताइए? विद्वान थे, किताब पढ़े थे? नहीं पढ़े थे वहा तक जहां तक हम लोग पढ़े हैं।

क्या वे लोग इतने ही ज्ञानी थे, जितने कि हम लोग विद्वान है? आज के पीएचडी के ज्ञान का मुकाबला प्राचीनकाल में एक-एक ऋषि एक एक विषय में पारंगत होता था। विश्वामित्रजी ने एक विषय में पारंगतता हासिल की थी और वह थी - गायत्री। गायत्री में पीएचडी थे विश्वमित्रजी। आज हम सारे के सारे तीस हजार वेद के मंत्रों का व्याख्यान कर सकते हैं। इस जमाने में शिक्षा ज्यादा है। **जय हिंद**

प्रवासी राजस्थानी दिवस

421 एमओयू से राजस्थान में 1 लाख करोड़ का निवेश, विकास की नई उड़ान

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार आगामी 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस पीआरडी के दौरान ऊर्जा, कृषि, पर्यटन, शिक्षा और कौशल विकास, स्वास्थ्य, खनन और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में 421 एमओयू के माध्यम से 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर लाने जा रही है। उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया कि यह मील का पत्थर राजस्थान के मज़बूत निवेश ट्रैक रिकॉर्ड पर आधारित है, जिसमें 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पहले ही पीआरडी-2025 से पहले ही ज़मीनी स्तर पर काम शुरू कर चुके हैं, जो निवेश और इनोवेशन के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन के रूप में राज्य की प्रतिष्ठा को और मज़बूत करता है।

ओला ने बताया कि राजस्थान निर्णायक क्रियान्वयन के माध्यम से विकास के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश का प्रतिनिधित्व करने वाले 421 एमओयू की शुरुआत, इरादे को प्रभाव में बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हमारी प्राथमिकता इन एमओयू के पीछे के इरादों को ज़मीनी स्तर पर वास्तविक परियोजनाओं में बदलना, रोज़गार पैदा करना और ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवाएं प्रदान करना है जो दैनिक जीवन को बेहतर बनाएं। पीआरडी- 2025 से पहले ही 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की शुरुआत हो चुकी है, हम सिर्फ समझौते साइन नहीं कर रहे हैं, हम परिणाम दे रहे हैं। ओला ने वैश्विक राजस्थानी समुदाय और निवेशकों को इस यात्रा का हिस्सा बनने और राजस्थान के भविष्य को फिर से आकार देने में हमारी मदद करने के लिए आमंत्रित किया है। इस गति को और तेज़ करने के लिए राज्य 13 दूरदर्शी नीतियां भी पेश कर रहा है, जिन्हें औद्योगिक विकास, तकनीकी प्रगति और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें औद्योगिक नीतिए एनआरआर नीति, राजस्थान व्यापार संवर्धन नीति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग नीति, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जीसीसी नीति, सेमीकंडक्टर नीति, एयरोस्पेस और रक्षा नीति, नई पर्यटन नीति, ग्रीन ग्रोथ क्रेडिट नीति, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण नीति, आईटी आउटसोर्सिंग, वन और कृषि-वानिकी नीति, खेल नीति और वाहन स्क्रैपेज नीति शामिल हैं। ये सभी पहलें मिलकर राजस्थान को इनोवेशन, ग्लोबल ट्रेड और ग्रीन ग्रोथ के हब के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखती हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में निवेशकों और उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

राज्य सरकार ने प्रदेश के युवाओं को दी नई सौगात

सांगानेर में जयपुर जिले का पहला राजकीय विधि महाविद्यालय प्रारंभ विधि के क्षेत्र में युवाओं का बनेगा स्वर्णिम भविष्य

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश के युवाओं के सपनों को साकार करने और उन्हें आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इसी क्रम में, विधि के क्षेत्र में भविष्य बनाने की चाहत रखने वाले युवाओं को राज्य सरकार ने एक नवीन सौगात दी है। सांगानेर क्षेत्र में जयपुर जिले का प्रथम राजकीय विधि महाविद्यालय प्रारंभ किया गया है।

इस महाविद्यालय में तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम का संचालन किया जाएगा जिसकी 120 सीटों पर प्रवेश के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया से अनुमति प्राप्त हो चुकी है तथा प्रवेश प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है।

विधि महाविद्यालय के भवन हेतु 4.50 करोड़ रुपये स्वीकृत :

राज्य सरकार द्वारा विधि महाविद्यालय के भवन हेतु 4.50 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है तथा शीघ्र ही भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य के लिए टेण्डर जारी कर दिये जायेंगे। स्थाई भवन निर्मित होने तक अस्थाई तौर पर महाविद्यालय का संचालन शहीद पुनीत नाथ दत्त राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया जा रहा है।

19 नवीन पदों के सृजन को मंजूरी : विधि महाविद्यालय के लिए राज्य सरकार ने 19 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। इनमें सहायक आचार्य के सात, कनिष्ठ सहायक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के दो-दो तथा प्राचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षक, सहायक लेखाधिकारी प्रथम, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सूचना सहायक, वरिष्ठ सहायक एवं बुक लिफ्टर के एक-एक पद शामिल हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार और युवाओं को प्रतिस्पर्धी युग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्थापित नवीन विधि महाविद्यालय युवाओं के लिए एक सशक्त मंच साबित होगा। इससे युवा कानूनी शिक्षा ग्रहण कर न्याय और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे सकेंगे।

समाजसेवी माईकल कैथलीनो को दिल्ली समारोह में किया सम्मनित

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। प्रतिष्ठित आई केन होकर माईकल कैस्टेलिनों के फाउंडेशन द्वारा उत्कृष्ट सामाजिक समाजहित में किए जा रहे कार्यों की योगदान एवं जनसेवा कार्यों के सराहना की। माइकल कैस्टेलिनों ने सम्मान में कैस्टेलिनों आई अपने संबोधन में कहा कि यह फाउंडेशन के अध्यक्ष माइकल सम्मान उनके लिए गर्व का विषय है कैस्टेलिने को रविवार सुबह और यह उन्हें आगे भी समाज की राजधानी दिल्ली स्थित एक होटल सेवा के लिए प्रेरित करेगा उन्होंने में आयोजित समारोह में सम्मानित टीम एवं सहयोगियों का धन्यवाद किया गया। यह सम्मान मुख्य व्यक्त किया। इस अवसर पर बृजेश अतिथि त्रिलोकपुरी विधायक सिन्हा, कौशल सत्यार्थी, डॉ संत रविकांत उज्जैनवाल ने प्रदान कुमार चौधरी, डॉ जीतू लालमीना किया। इस अवसर पर विभिन्न सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर : टॉक्सिकोलॉजी डिवीजन भर्ती - 2024 मुख्य सूची में 1 अभ्यथी सफल घोषित

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। आरपीएससी ने सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला भर्ती-2024 के अंतर्गत टॉक्सिकोलॉजी डिवीजन के 1 अभ्यर्थी को मुख्य सूची में सफल घोषित किया है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों पर भर्ती हेतु जारी विचारित सूची 4 अगस्त 2025 में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत विज्ञापित पद के विरुद्ध मुख्य सूची में अभ्यर्थी को सफल घोषित किया गया है।

महान प्रेरक बलिदान गुरू तेग बहादुर साहिब पुस्तक पर परिचर्चा

बलिदान जीवन मूल्यों का आधार है : मनोज कुमार

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, जयपुर की ओर से गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें बलिदान दिवस के अवसर पर डॉ मंजीत कौर की पुस्तक महान प्रेरक बलिदान गुरु तेग बहादुर साहिब पर पुस्तक पाठक संवाद एवं परिचर्चा का आयोजन राजकीय महाराजा सार्वजनिक मंडल पुस्तकालयए चौड़ा रास्ता जयपुर में किया गया। कार्यक्रम के अतिथियों में मुख्य वक्ता मनोज कुमार संगठन मंत्री, अखिल भारतीय साहित्य परिषद इंदुशेखर तत्पुरुष, अखिल भारतीय साहित्य परिषदय डॉ मंजीत कौर, लेखिका केशव शर्मा क्षेत्रीय महामंत्री रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन विकास तिवाड़ी परिचय मधुसूदन सिंह देवल ने दिया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजस्थान डॉ विपिन कुमार क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख डॉ महावीर कुमावत पुस्तकालय के अध्यक्ष सहित अनेक पाठक उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता मनोज कुमार ने कहा कि बलिदान ही जीवन मूल्यों का आधार है। बलिदान के कारण ही देश, धर्म, संस्कृति और समाज जीवंत बने हुए हैं। बलिदान अपने आप में अनुपम, अतुलनीय और अद्भुत है - यही हमारी संस्कृति का संवाहक है। उन्होंने कहा हम सभी को प्रतिदिन उन अनगिनत बलिदानों को स्मरण रखना चाहिए, जिनकी बदौलत समाज में जागृति है और संगठन स्थापित हैं। अपने संबोधन में इंदुशेखर तत्पुरुष ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का जीवन भारतीय सांस्कृतिक चेतना का सर्वोच्च उदाहरण है। उनका बलिदान केवल धर्म-संरक्षण का प्रतीक नहीं, बल्कि मानवाधिकारों और स्वतंत्रता के मानवीय मूल्य का वैश्विक संदेश भी है। उन्होंने कहा कि ऐसी पुस्तकों और संवादों से समाज में वैचारिक शक्ति और राष्ट्रीय एकात्मता का विस्तार होता है। लेखिका डॉ मंजीत कौर ने बताया कि गुरु तेग बहादुर साहिब गुरु कैसे बने -इसका ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संदर्भ पुस्तक में विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

उन्होंने कहा गुरु साहिब का बलिदान केवल इतिहास नहीं, बल्कि मानवता, धार्मिक स्वतंत्रता और सत्य की रक्षा का अनन्त संदेश है। आज यह बलिदान और भी अधिक प्रासंगिक है। उपस्थित पाठकों ने गहन मनोयोग से डॉ मंजीत कौर के संवाद और विचार सुने तथा पुस्तक के अनेक आयामों पर उनसे प्रश्न पूछे जिसका जवाब डॉ मंजीत कौर ने बड़े ही प्रभावी ढंग से दिया।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ विपिन कुमार ने पुस्तक चर्चा को आगे बढ़ाते हुए गुरु तेग बहादुर साहिब के गुरु परंपरा में आगे बढ़ने के विचार साझा किए।

परिचर्चा के अंत में पाठकों ने गुरु तेगबहादुर साहिब के जीवन, त्याग और प्रेरक प्रसंगों पर विचार एवं संवाद के लिए लेखिका का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिए सिटी एक्सीलरेटर प्रोग्राम-जयपुर सहित प्रदेश के 4 शहर शामिल

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने पीएम सूर्यघर योजना के अन्तर्गत रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को बढ़ावा देने के लिए सिटी एक्सीलरेटर कार्यक्रम शुरू किया है। इसके अन्तर्गत देश के 100 शहरों का चयन किया गया है।

प्रदेश के जयपुर, जोधपुर, अजमेर और उदयपुर शहर इसमें शामिल किए गए हैं। प्रोग्राम के अन्तर्गत इन शहरों में जागरूकता गतिविधियों, वेंडर्स को प्रशिक्षण आदि के माध्यम से लोगों को रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने विद्युत भवन में इस प्रोग्राम से जुड़े स्टेक होल्डर्स शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक ली। केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारी भी इस बैठक से जुड़े। डोगरा ने कहा कि रूफटॉप सोलर की ओर लोगों का रूझान बढ़ा है। प्रदेश में प्रतिमाह औसतन 10 हजार से अधिक रूफटॉप लग रहे हैं। इस गति को और बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि राजस्थान पीएम-कुसुम योजना की भांति ही रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन में भी अग्रणी बन सके। डोगरा ने फाउंडेशन के प्रतिनिधियों से निचले स्तर तक लोगों में सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेट मीटरिंग को अनुमत किए जाने के बाद अब शहरों में वे लोग भी सौर ऊर्जा से जुड़ सकेंगे जिनके पास स्वयं की छत अथवा रूफटॉप लगाने के लिए आवश्यक स्पेस उपलब्ध नहीं है। इसके साथ ही 150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना में डिस्कॉम्स की ओर से 17 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करने पर भी रूफटॉप सोलर को और गति मिलेगी।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पीएम सूर्यघर योजना के अन्तर्गत 1 लाख 9 हजार से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। इनमें जयपुर में सर्वाधिक 15,932, उदयपुर में 5,794, जोधपुर में 6,436 तथा अजमेर में 2,759 संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

रियायती दर पर बैंक ऋण की उपलब्धता - बैठक में बताया गया कि इस योजना के अन्तर्गत बैंकों द्वारा 5.75 प्रतिशत की ब्याज दर से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। चेयरमैन डिस्कॉम्स ने निर्देश दिए कि प्रोग्राम से जुड़े स्टेक होल्डर्स आमजन में इस बात की जागरूकता लाएं। साथ ही उन बाधाओं को चिन्हित करें जिनके कारण कई बार पंजीयन के बाद भी आवेदक सोलर इंस्टॉलेशन कराने के लिए प्रेरित नहीं हो पाते हैं।

जयपुर के रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर में 17वें वार्षिकोत्सव इत्र का भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। रावत पब्लिक स्कूल प्रताप नगर में 17वां वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह इत्र निर्मला ऑडिटोरियम में अत्यंत गरिमामयी और भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी एस रावत तथा चेयरपर्सन निर्मला रावत द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत राम स्तुति और सरस्वती वंदना ने पूरे सभागार में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया।

रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक एवं अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के सचिव नरेंद्र सिंह रावत ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के प्रदर्शन, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय समग्र विकास, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक हेमेन्द्र सिंह रावत ने भी प्रतिभागियों को प्रोत्सातहित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्या मैत्रेयी शुक्ला द्वारा विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें सत्र के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल एवं नवाचार-आधारित उपक्रमों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। वार्षिकोत्सव के सांस्कृतिक सत्र में विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। म्यूजिकल बैंड के फ्यूजन, नरसिम्हा एवं छावा जैसी प्रभावशाली प्रस्तुतियों, तथा योग, ताइक्वांडो और स्केटिंग के रोमांचक कौशल प्रदर्शन ने कार्यक्रम को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। विद्यार्थियों ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा, स्टेच्यू डांस, निंजा डांस सहित कई रचनात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। लगान और ऑपरेशन सिंदूर जैसी देशभक्ति-आधारित प्रस्तुतियों ने सभागार में उपस्थित अभिभावकों एवं आगंतुकों के हृदयों में राष्ट्रप्रेम की लहर दौड़ा दी। वहीं वेस्टर्न जूनियर-सीनियर डांस और पंजाबी डांस ने उत्सव के माहौल को और जीवंत कर दिया। इस अवसर पर 600 से अधिक विद्यार्थियों ने मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे 1500 से अधिक अभिभावकों, गणमान्य व्यक्तियों एवं अतिथियों ने बड़ी सराहना के साथ देखा। समारोह के दौरान आयोजित पुरस्कार वितरण में उत्कृष्ट बोर्ड परिणाम देने वाले शिक्षकों को राधाकृष्णनन गोल्डन एवं सिल्वर अवार्ड से सम्मानित किया गया। बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों को रावत गौरव और रावत प्रतिभा अवार्ड प्रदान किए गए, साथ ही वर्षभर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह का समापन एकेडमिक हेड राजेश कंथारिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात राष्ट्रगान के साथ हुआ।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने किया आरयूएचएस अस्पताल का निरीक्षण

आरयूएचएस में दूर होगी मानव संसाधन की कमीए जल्द शुरू किए जाएंगे कार्डियो, न्यूरो, यूरोलॉजी एवं गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के डेडीकेटेड ब्लॉक

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। रोगियों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं सुगमता एवं सुलभता के साथ उपलब्ध करवाने तथा सवाई मानसिंह अस्पताल का मरीज भार कम करने के लिए आरयूएचएस अस्पताल में मानव संसाधन की कमी दूर की जाएगी। सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के विस्तार की दिशा में कार्डियो, न्यूरो, यूरोलॉजी एवं गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी के लिए डेडीकेटेड सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक जल्द प्रारंभ किए जाएंगे। साथ ही, यहां उपलब्ध इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि रोगियों को शहर में उपचार के लिए एक और बेहतर विकल्प मिले।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने आरयूएचएस अस्पताल के निरीक्षण के उपरांत उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में आउटडोर एवं इनडोर में रोगियों की संख्या बढ़ाने तथा उपलब्ध सुविधाओं का पूरा उपयोग करने के लिए एक्शन प्लान जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में निर्धारित ड्यूटी के अनुसार चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ पूरे समय उपस्थित रहें। उन्होंने इसके लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए।

राठौड़ ने कहा कि अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यकतानुसार सीनियर रेजीडेंट की सेवाएं ली जाएं। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में कक्षाओं के नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसे चिकित्सा शिक्षा की दिशा में एक उच्च स्तरीय संस्थान के रूप में विकसित कर रही है, इसलिए यहां शोध, अनुसंधान एवं शिक्षण कार्यों का स्तर और बेहतर बनाया जाए।

इससे पहले प्रमुख शासन सचिव ने अस्पताल परिसर में जांच, दवा एवं उपचार व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आउटडोर, आपातकालीन इकाई, आईसीयू एवं सामान्य वार्ड सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के काउंटर एवं रोगी पंजीकरण केंद्र पर जाकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही, निर्देश दिए कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों में पात्र रोगियों को इनका पूरा लाभ दिया जाए। किसी भी रोगी को योजना का लाभ लेने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो। पूरी संवेदनशीलता के साथ उपचार उपलब्ध करवाया जाए। बैठक में आरयूएचएस के कुलपति प्रमोद येवले, चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त शासन सचिव ललित कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल, आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ महेश मंगल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने दूदू क्षेत्र को दी विकास की नई सौगातें

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। उपमुख्य मंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने दूदू विधानसभा क्षेत्र के चकवाड़ा, मौजमाबाद और बोराज में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की देवतुल्य जनता से आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं और कल्याणकारी नीतियों की विस्तृत जानकारी साझा की। डॉ बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और आधारभूत संरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के संतुलित और समग्र विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने बताया कि सरकार का प्रत्येक निर्णय जनहित और जनता के उत्थान को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है, जिससे प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति ने जनप्रतिनिधियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर जयपुर जिला प्रमुख रमा चौपड़ा सहित क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से दूदू क्षेत्र में विकास की गति और अधिक तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

15 दिवसीय रोड सेफ्टी ऑडिट सर्टिफिकेशन कार्यक्रम का उद्घाटन

सड़क बनाना ही पर्याप्त नहीं, आमजन को सुरक्षित सड़क मार्ग उपलब्ध करवाना भी हमारी जिम्मेदारी : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। सड़क आमजन की सुविधा के लिए बनाई जाती है ताकि उन्हें सुगम एवं त्वरित परिवहन मिल सकें। इसलिए सड़कें बनाने के साथ ही उन्हें आमजन के लिए सुरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें सार्थक प्रयास करने होगें और सड़क निर्माण के लिए निर्धारित मानकों का पालन पूर्ण निष्ठा से करवाना होगा। निर्माण भवन में आयोजित रोड सेफ्टी ऑडिट पर सर्टिफिकेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमत्री दिया कुमारी ने यह बात कही। दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के मिशन में इन्फ्राकनेक्टिविटी और रोड सेफ्टी प्रमुख स्थान रखते हैं। सड़क सुरक्षा के लिए नियम और गाइडलाईन्स पहले से बनी हुई है लेकिन उनका क्रियान्वयन सही तरीके से नहीं हो रहा है। हम सब को योजनाबद्ध तरीके से ऐसे प्रयास करने होगें कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तभी सार्थक होगा, जब अधिकारी यहाँ से प्राप्त ज्ञान का प्रयोग सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए करेंगे।

सर्टिफिकेशन कार्यक्रम की अवधि 8 से 23 दिसंबर : भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी आईएएचआई द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंताओं के लिए रोड सेफ्टी ऑडिट का 15 दिवसीय सर्टिफिकेशन कार्यक्रम 8 से 23 दिसंबर तक निर्माण भवन में आयोजित किया जा रहा है जिसमें विभाग के 55 अभियंता भाग ले रहे हैं। इसके अन्तर्गत मौजूदा सडकों ओर पुलों की एक चरण में तथा नई सड़कों और पुलों की तीन चरणों डिजाईन, निर्माण और प्री ओपनिंग स्टेज पर ऑडिट का प्रशिक्षण दिया जायेगा। गौरतलब है यह प्रशिक्षण श्रोड सेफ्टी ऑडिट कोर्स विशेषज्ञ टीम द्वारा दिया जा रहा है। इस टीम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एडीजी संजीव कुमार, अधीक्षण अभियंता मनीष असाती, आईटीएस विशेषज्ञ मनोहर मीणा, आईआईटी दिल्ली की प्रोफेसर गीतम तिवारी, एनएचएआई के रोड सेफ्टी एडवाईजर एस के पोपली, परवेज आलम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस कोर्स के बाद प्रशिक्षित अभियंता फील्ड में जाकर रोड सेफ्टी ऑडिट करेंगे। इस दौरान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी आर मेघवालए मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टीसी गुप्ता ने उद्घाटन सत्र को सम्बोधित किया।

25 लाख के सीएसआर फंड से बनी आधुनिक गौशाला का जयपुर प्रभारी मंत्री ने किया लोकार्पण

धरती मां, गौमाता व स्वयं की मां की सेवा करना सर्वोत्तम कार्य : संसदीय कार्यमंत्री

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। गलता तीर्थ मे 25 लाख की लागत से सीएसआर फंड से बनी आधुनिक गौशाला का संसदीय कार्य विधि एवं न्याय मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने फीता काटकर लोकार्पण किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि धरती मां, गौमाता व स्वयं की मां की सेवा करना सर्वोत्तम कार्य है। गलता तीर्थ मे आधुनिक गौशाला के निर्माण से श्रद्धालुओं को गौमाता की सेवा करने का पुण्य मिलेगा। उन्होने कहा कि उच्च न्यायलय के निर्णय द्वारा जब से जिला कलेक्टर जयपुर को गलता तीर्थ का प्रशासक नियुक्त किया है तबसे तीर्थ स्थल अपने पौराणिक वैभव को प्राप्त करने के लिए निरन्तर अग्रसर हो रहा है। जिला प्रशासन इसे निरन्तर बेहतर बनाकर देशी.विदेशी सैलानियो के लिए आकर्षण का केन्द्र बनाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर व गलता तीर्थ प्रशासक डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि उच्च न्यायलय के निर्देशानुसार व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप गलता तीर्थ को स्वच्छ हरा-भरा व आकर्षक बनाने के लिए निरन्तर कार्य किए जा रहे है। जिसमें पुरानी जीर्ण-शीर्ण गौशाला के स्थान पर आधुनिक स्वच्छ व बेहतर गौशाला का निर्माण इस दिशा में किया गया महत्वपूर्ण कार्य है। अतिरिक्त जिला कलेक्टर चतुर्थ आशीष कुमार ने बताया कि गलता तीर्थ की जीर्ण-शीर्ण गौशाला के स्थान पर आधुनिक व सुविधाजनक गौशाला का निर्माण फीनोवा कैपीटल के 25 लाख के सीएसआर फंड से 4500 स्क्वायर फीट क्षेत्र में चार महिने में किया गया है। यहां पर 80 से 100 गाएं रखने की क्षमता है। यह गौशाला गौमाताओं के लिए न सिर्फ सुरक्षित आश्रय स्थल है बल्कि यहां चारे व देखभाल की भी उत्तम व्यवस्था है।

इस दौरान नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 5 के उपबंधों के अंतर्गत उमरकोट पाकिस्तान से आए प्रकाश अमर चन्द पुत्र हाकिम चन्द को भारत की नागरिकता का प्रमाण पत्र प्रभारी मंत्री द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने समाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सौजन्य से विशेष योग्यजनों को 5 श्रवण यंत्र, 2 स्मार्ट फोन, 4 व्हील चेयर और 2 बेसाखी भी प्रदान की। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर दक्षिण युगान्तरशर्मा, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त प्रथम रतनलाल योगी, नगर निगम जयपुर के अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण गुगरवाल, विशिष्ट अतिथि फिनोवा कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित साहनी सहित अन्य विभागीय अधिकारी व गौसेवक उपस्थित थे।

युवा विचार गोष्ठी में मतदान के महत्व पर हुई सारगर्भित चर्चा

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने युवाओं से सजग व जिम्मेदार मतदाता बनने का आह्वान किया

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि एक सचेत मतदाता में स्वयं के कर्तव्य एवं दायित्व का अहसास, राष्ट्र की बुनियादी समस्याओं की समझ, उनके समाधान के संबंध में मौलिक सोच एवं इस हेतु सक्षम सरकार एवं सुयोग्य जनप्रतिनिधि की सुनिश्चित संकल्पना व परिकल्पना होनी चाहिए। राजेश्वरसिंह मतदान का अधिकार जनतंत्र का आधार विषयक युवा विचार गोष्ठी को जेएलएन मार्ग स्थित महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज के सेमिनार हॉल में संबोधित कर रहे थे। इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में कनोड़िया महाविद्यालय की छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में मतदान के महत्व तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता के अधिकार कर्तव्य एवं दायित्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि एक जागरूक मतदाता को न केवल मतदान प्रक्रिया में अनिवार्य रूप से हिस्सा लेना चाहिए वरन अन्य मतदाताओं को भी प्रेरित करना चाहिए। उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की नीतिए सिद्धान्त कार्यक्रम कार्ययोजना एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत एवं आलोचनात्मक अध्ययन करना चाहिए तथा प्रत्याशियों के व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण, जनप्रतिबद्धता, जनसमस्याओं की समझ, तथ्यात्मक एवं तार्किक प्रस्तुतीकरण की क्षमता, शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक अतीत न होने पर भी ध्यान देना चाहिए। सिंह ने कहा कि जब तक पंचायतीराज संस्थाएं एवं नगरीय निकाय सशक्त सक्षम एवं प्रभावी नहीं होंगे तथा स्थानीय स्तर पर सुयोग्य नेतृत्व का विकास नहीं होगा तब तक राष्ट्र का सर्वोतोमुखी एवं सर्वसमावेशी विकास असंभव है। स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं के सशक्तिकरण से ही लोकतंत्र में आमजनता की सहभागिता सुनिश्चित होगी तथा स्थानीय समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान संभव हो सकेगा। स्थानीय स्वशासन में अनुसूचित जाति, जनजाति पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए प्रतिनिधितत्व में आरक्षण की व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि समाज का कोई भी तबका लोकतांत्रिक प्रकिया में सहभागिता से वंचित न रहे तथा नीति निर्माण एवं नीति क्रियान्वयन में उसकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रियता से भाग लेते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति गहरी रुचि और जिज्ञासा व्यक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कनोडिया महिला पीजी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सीमा अग्रवाल द्वारा की गई तथा समापन राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राजेश वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने महाविद्यालय प्रशासन, विद्यार्थियों और सहयोगी संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोग की कार्यप्रणाली का परिचय सहायक सचिव मनीषा चौधरी द्वारा दिया गया। यह युवा विचार गोष्ठी राज्य निर्वाचन आयोग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज, जयपुर एवं कनोडिया महिला पीजी महाविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

महिला सशक्तिकरण का प्रतीक : ऑल वुमेन दीक्षांत परेड

317 महिला प्रशिक्षुओं ने पूरा किया प्रशिक्षण

डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा-न्याय सिर्फ कानूनी प्रक्रिया नहीं, पीड़ित को सम्मान और जल्द राहत भी

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में प्रशिक्षणरत 317 महिला कांस्टेबल का दीक्षांत परेड समारोह 8 दिसंबर को संपन्न हुआ। राजस्थान पुलिस की 241 और दूरसंचार विभाग की 76 महिला कांस्टेबल की इस दीक्षांत परेड समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने परेड की सलामी ली और इसे महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बताया।

इस मौके पर डीजीपी शर्मा का परेड द्वारा अभिवादन किया गया। डीजीपी ने परेड का निरीक्षण किया, राष्ट्रीय ध्वज व पुलिस कलर पार्टी का ग्राउंड पर आगमन एवं परेड द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अभिवादन किया गया। रिटायर्ड डीजीपी पीएस बैंस व केएलबैरवा, डीजी लॉ एंड ऑर्डर संजय अग्रवाल, डीजी ट्रेफिक अनिल पालीवाल सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित इस भव्य समारोह के आरंभ में अतिथियों के यहां पहुंचने पर आरपीए निदेशक संजीव कुमार नार्जारी, अतिरिक्त निदेशक शंकरदत्त शर्मा ने स्वागत किया।

21वीं सदी का सबसे बड़ा रिफॉर्म है नई न्याय संहिता : डीजीपी शर्मा ने नई न्याय संहिताओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन कानूनों को नागरिकों के लिए बनाया गया है। उन्होंने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमितशाह के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा ये तीनों नए कानून और इनके माध्यम से भारत का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम 21वीं सदी का सबसे बड़ा रिफॉर्म है। इन कानूनों में तकनीक को समाहित किया गया है ताकि आने वाले 50 वर्षों की चुनौतियों का सामना किया जा सके। उन्होंने बताया कि इनका पूर्ण क्रियान्वयन होने के बाद किसी भी मामले में सुप्रीम कोर्ट तक तीन साल में फैसला आ सकेगा। नए आपराधिक कानूनों में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए प्रावधानों को और मजबूत करते हुए एक अलग अध्याय भी जोड़ा गया है।

नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में जुटी राजस्थान पुलिस, 1500 से ज्यादा मास्टर ट्रेनर किए तैयार - समारोह को संबोधित करते हुए महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्थान पुलिस आधुनिकीकरण और नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस अकादमी वर्तमान परिदृश्य के अनुसार प्रशिक्षण दे रही है और प्रशिक्षुओं को संवेदनशील नागरिक के रूप में तैयार करती है। नए आपराधिक कानूनों के संबंध में अकादमी ने विभिन्न कोर्स आयोजित किए हैं और अब तक 1500 से अधिक अनुसंधान अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

अप-टू-डेट है राजस्थान पुलिस - डीजीपी शर्मा ने कहा कि नए जमाने की तकनीक से राजस्थान पुलिस भी निरंतर अपडेट हो रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के आईगोट प्लेटफॉर्म कर्मयोगी पोर्टल पर भी राजस्थान पुलिस के लगभग 80,000 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों ने रजिस्ट्रेशन किया है और वे निरंतर ऑनलाइन कोर्स कर रहे हैं।

न्याय संहिता की विशेषताओं को जन-जन तक पहुंचाएं - प्रशिक्षण पूरा कर चुकी पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए डीजीपी शर्मा ने नवीन न्याय संहिताओं के प्रावधानों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कर्तव्यों की नैतिकता और संवेदनशीलता पर देते हुए कहा कि न्याय सिर्फ कानूनी प्रक्रिया नहीं है, पीड़ित को सम्मान देना, तसल्ली से सुनना और जल्द से जल्द राहत देना भी है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अपील की कि पुलिस सेवा के रूप में मिले गरीब, असहाय, निराश्रित व कमजोर व्यक्ति की सेवा व सहायता करने के अवसर को निरर्थक न होने दें और सही मायनों में जनता की सेवा कर अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करें। उन्होंने पुलिस कर्मियों से आह्वान किया कि वे अपने कार्य को अनुकरणीय बनाएँ और अपनेपरिवार तथा समाज में एक आदर्श बनें।

डेटा एनालिसिस व साइबर पेट्रोलिंग पर करना होगा फोकस : डीजीपी ने पुलिसिंग को आधुनिक तकनीक से समन्वय रखते हुए कार्य करने की बात कही। उन्होंने पुलिसकर्मियों से अपने कार्य को अनुकरणीय बनाने, नई भाषाएँ सीखने, कंप्यूटर का ज्ञान अच्छा करने और तकनीक को अपने पक्ष में करने की अपील की। इंफॅर्मेशन टेक्नोलॉजी के दौर में साइबर क्राइम की बढ़ती चुनौती को देखते हुए उन्होंने पुलिस को डेटा कलेक्शन, एनालिसिस और साइबर पेट्रोलिंग पर अधिक फोकस करने का निर्देश दिया।

मजबूत पुलिसिंग है प्रधानमंत्री का निर्देश - डीजीपी ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और याद दिलाया कि सबसे बड़ा पुरस्कार एक निर्मल अंतरात्मा है। उन्होंने हाल ही में संपन्न डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए गए निर्देश के साथ अपनी बात समाप्त की। प्रधानमंत्री के अनुसार पुलिस के बारे में लोगों की सोच बदलने और पुलिसिंग को मजबूत करने की जरूरत है। महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा।

14 महिला पुलिसकर्मियों का हुआ सम्मान - इस अवसर पर 12 महिला प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के अलग-अलग श्रेणियों में श्रेष्ठता हासिल करने पर स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया, वहीं राजस्थान पुलिस अकादमी की दो महिला प्रशिक्षकों पुलिस निरीक्षक रजनी मीणा व मीना वर्मा को भी प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं को मिल रहा सुरक्षित एवं भयमुक्त राजस्थान

पीड़ित महिलाओं को एक क्लिक पर मिल रही पुलिस मदद

राजकॉप सिटीजन ऐप में पुलिस का रेस्पॉन्स टाइम कम होने से महिला अपराधों में आई कमी

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए कार्य कर रही है। इसी क्रम में सरकार द्वारा शुरू किया गया राजकॉप सिटिजन ऐप महिलाओं को तुरंत सहायता पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। ऐप के माध्यम से पीडित महिलाओं को ऑन द स्पॉट त्वरित सहायता मिल रही है। इस ऐप की खासियत यह है कि पुलिस के पीड़िता तक पहुंचने का औसत रेस्पॉन्स टाइम काफी कम है। राज्य सरकार द्वारा की गई इस पहल से जहां महिला अपराधों में कमी आई है, वहीं आमजन तक कानून व्यवस्था की सुलभ पहुंच सुनिश्चित हुई है।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के गठन से महिला छेड़छाड़ के प्रकरणों में आई कमी - राज्य सरकार इस आधी आबादी की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में चयनित पुलिस थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों पर पीडित महिलाओं को आवश्यक सहायता व परामर्श प्रदान किया जा रहा है। इसी तरह राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के गठन किया गया है। महिला हेल्पलाईन-181 के माध्यम से भी महिलाओं को आवश्यक तथा त्वरित सहायता प्रदान की जा रही है। महिला सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एंटी रोमियो स्कवॉड का गठन किया गया है। साथ ही, 1 हजार 24 पुलिस थानों में महिला डेस्क की स्थापना कर महिला पुलिसकर्मी की नियुक्ति, वूमेन हेल्प डेस्क, रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के तहत बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण तथा लाडली सुरक्षा योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे की स्थापना जैसे कार्य किए गए हैं। पुलिस द्वारा तकनीकी नवाचारों का भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे साइबर अपराधों में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

29 हजार 700 से अधिक पीड़िताओं तक पहुंची मदद- राजकॉप सिटिजन ऐप को उपयोग में बहुत ही सरल बनाया गया है। ऐप के माध्यम से महिलाओं को आपातकालीन एवं गैर आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस ऐप पर जाकर जब ष्नीड हेल्पष् बटन पर क्लिक किया जाता है तो उसका एक नोटिफिकेशन 1090 के कंट्रोलरूम में आ जाता है। कंट्रोलरूम द्वारा पीडिता को फोन या मैसेज कर समस्या की जानकारी लेकर तथा पीड़िता की लाइव लोकेशन ट्रेस कर तुरंत पुलिस मदद पहुंचाई जाती है। यह ऐप महिला छेड़छाड़ एवं अन्य महिला अपराध के प्रकरणों में मददगार साबित हो रही है। इस ऐप के माध्यम से अब तक 29 हजार 742 प्रकरण आए हैंए जिनमें से 29 हजार 737 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है।

राजकॉप सिटिजन ऐप कानून व्यवस्था बनाए रखने में तकनीक की उपयोगिता का एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें पीड़िता को आपातकाल में कहीं फोन या मैसेज कर सम्पर्क करने की आवश्यकता नहीं है। केवल एक क्लिक पर ही पुलिस तुरन्त घटना स्थल पर पहुंच रही है। महिलाओं द्वारा इस ऐप का अधिक से अधिक उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में महिला सुरक्षा को नए आयाम मिले हैं।

दीक्षांत परेड में सर्वश्रेष्ठ का सम्मान - कोमल चौधरी और ममता जांगू ने जीते सबसे अधिक पुरस्कार

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनीं प्रशिक्षु कोमल और प्रशिक्षक रजनी मीणा मीना वर्मा

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रशिक्षु महिला कॉन्स्टेबलों और उनके प्रशिक्षकों को राजस्थान पुलिस अकादमी में संपन्न हुई ऑल वुमेन दीक्षांत परेड में सम्मानित किया गया। इस दौरान महिला कॉन्स्टेबल कोमल चौधरी ने तीन अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार जीतकर रिकॉर्ड बनाया जबकि पुलिस निरीक्षक रजनी मीणा और मीना वर्मा को सर्वश्रेष्ठ इंडोर प्रशिक्षक के रूप में सराहा गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं निदेशक आरपीए संजीव कुमार नार्जारी ने बताया कि बैच संख्या 98 में पीटीसी जयपुर की प्रशिक्षु कॉन्स्टेबल कोमल चौधरी ऑल राउण्डर, इण्डोर और कंप्यूटर विषय में सर्वश्रेष्ठ, प्रशिक्षु खुशी कुमारी ड्रिल और आउटडोर में सर्वश्रेष्ठ और रोमिका शर्मा फायरिंग में सर्वश्रेष्ठ रही। नार्जारी ने बताया कि बैच संख्या 99 में भरतपुर जिले की प्रशिक्षु कांस्टेबल ममताजांगू ऑल राउण्डर और इन्डोर में सर्वश्रेष्ठ, झालावाड़ की किरण सैन आउटडोर में सर्वश्रेष्ठ, धौलपुर की संजना चेतीवाल फायरिंग में सर्वश्रेष्ठ, झालावाड़ की लक्ष्मी यादव ड्रिल में सर्वश्रेष्ठ, राजसमंद की कनिष्का खटीक कंप्यूटर विषय में सर्वश्रेष्ठ रही। बैच संख्या 98.99 की इन सभी 12 प्रशिक्षु महिला कांस्टेबल को स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों का हुआ सम्मानक : आरपीए के अतिरिक्त निदेशक शंकरदत्त शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षुओं के इस शानदार प्रदर्शन के पीछे राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर के उत्कृष्ट प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन रहा। प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए चार प्रशिक्षकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बैच संख्या 98 ले लिए इन्डोर में पुलिस निरीक्षक रजनी मीणा व आउटडोर प्रशिक्षक के रूप में हेड कांस्टेबल गोविन्द सिंह तथा बैच संख्या 99 के लिए इन्डोर में पुलिस निरीक्षक मीना वर्मा को और आउटडोर में हेड कांस्टेबल प्रहलाद कुमार को बेस्ट प्रशिक्षक के रूप में चुना गया। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने सभी पुरस्कार विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे अपने पूरे सेवाकाल में इसी प्रकार उत्कृष्टता के साथ कार्य करना जारी रखेंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान सम्पर्क हैल्पलाइन 181 का किया औचक निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने स्वयं फोन पर सुनी लोगों की समस्याएं, तत्काल समाधान से फरियादियों के चेहरे पर खिली मुस्कान

181 पर मिल रही समस्याओं की बढ़ाई जाए मॉनिटरिंग : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार / परिष्कार पत्रिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए कितने संवेदनशील हैं, इसकी एक बानगी देखने को मिली। सचिवालय का दौरा कर रहे मुख्यमंत्री जब पुस्तकालय भवन में राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 पहुंचे तब दो कॉलर्स नवलगढ़ झुन्झुनू के सुधीर और कोटपूतली-बहरोड़ के नेमीचंद से बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्वयं दोनों फरियादियों से बात की और थोड़ी ही देर में उनकी समस्याओं का समाधान कर दिया गया। समस्याओं के तत्काल समाधान के बाद फरियादियों के चेहरे की खुशी देखते ही बन रही थी।

शर्मा जब राजस्थान संपर्क 181 पर समस्याएं सुन रहे थे तो एक कॉल पर नवलगढ़ झुन्झुनू के सुधीर ने बताया कि उनके घर के पास साव की ढाणी पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण का कार्य हो रहा है। सड़क निर्माण में एक पोल बीच में आ रहा है जिससे आवाजाही में लोगों को समस्या हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से उस पोल को हटाने के लिए निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने उनकी समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इन निर्देशों की पालना करते हुए संबंधित कलक्टर ने पोल हटवाकर परिवादी को राहत दी।

मुख्यमंत्री को एक अन्य शिकायतकर्ता नेमीचंद निवासी गोकलपुर गांवए वार्ड नंबर 29 कोटपूतली-बहरोड़ ने फोन पर बताया कि गोकलपुर गांव में वार्ड नंबर 29 में नाले की सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी निकलकर सड़क पर भरा हुआ है। जिससे आवागमन में लोगों को समस्या आ रही है तथा बीमारी का खतरा भी बना हुआ है। उन्होंने इस नाले की जल्द से जल्द सफाई कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस परिवेदना का तुरंत निस्तारण करने के निर्देश दिए। संबंधित कलक्टर द्वारा शीघ्र ही परिवेदना को निस्तारित करते हुए नाले की सफाई करवाई गई।

राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन की कार्यप्रणाली, परिवादी की शिकायत पंजीकरण की प्रणाली, फॉलो-अप की पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए हमारी सरकार कार्य कर रही है। 181 हैल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी समस्या दर्ज करवाकर उसका शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोगों को पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ उनकी हर परिवेदना के समयबद्ध निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर मिल रही समस्याओं की अधिक से अधिक मॉनिटरिंग हो जिससे परिवादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो सके तथा उसे राहत मिले। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूरे प्रणाली को समझने एवं उसे और बेहतर बनाने के लिए स्वयं ही शिकायतकर्ताओं का कॉल अटैण्ड किया तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया।

आरएएस भर्ती-2024

15 दिसंबर से शुरू होगा साक्षात्कार का द्वितीय चरण

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार (विवि)/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2024 के पदों हेतु द्वितीय चरण के साक्षात्कार 15 से 24 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र की दो प्रतियां मय सभी मूल दस्तावेजों व उनकी फोटोकॉपी के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।

अभ्यर्थियों को अपने साथ एक नवीनतम पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो और एक मूल फोटो पहचान पत्र भी लाना होगा। इन दस्तावेजों के बिना किसी भी अभ्यर्थी को साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आरपीएससी ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएँ संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के पदों हेतु द्वितीय चरण के साक्षात्कार पत्र जारी कर दिए हैं। द्वितीय चरण के साक्षात्कार 15 से 24 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से इंटरव्यू लेटर डाउनलोड कर साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना होगा। आयोग द्वारा साक्षात्कार पत्र पृथक से ऑफलाइन रूप में प्रेषित नहीं किए जाएंगे।

भारतीय भाषा उत्सव के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन

भाषा वृक्ष प्रदर्शन प्राची भाषाई स्त्रोत, भाषा परिवार, उपभाषा समूह, आधुनिक भाषा-बोलियों का प्रतिनिधित्व करता है:प्रो जैन

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

लाडनु। जैन विश्वभारती संस्थान विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में एनसीण्टीई एवं यूण्जीण्सीण् के निर्देशानुसार ष्भारतीय भाषा उतसवष् का एक सप्ताह की कार्यक्रम श्रृंखला का आयोजन 11 दिसम्बर तक किया जाएगा। गुरूवार को उत्सव के प्रथम दिवस पर आयोजित किए गए कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो बीएल जैन ने की। उन्होंने भाषा वृक्ष प्रदर्शन पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भाषा वृक्ष प्रदर्शन एक शिक्षण-सहायक दृश्य प्रस्तुति है, जिसके माध्यम से भाषाओं के विकास, विस्तार और संरचनात्मक संबंधों को वृक्ष के रूप में दर्शाया जाता है।

इस प्रदर्शन में भाषा को एक जीवित वृक्ष की उपमा दी जाती है, जहां जड़ें मूल भाषा या प्राचीन भाषाई स्रोत को दर्शाती हैं। तना भाषा परिवार का प्रतीक होता है, जबकि मुख्य शाखाएं विभिन्न उपभाषा-समूहों और भाषाई धाराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं।

इन शाखाओं से निकलने वाली छोटी-छोटी टहनियां आधुनिक भाषाओं तथा उनकी बोलियों को चित्रित करती हैं। यह प्रदर्शन विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी होता है, क्योंकि यह जटिल भाषाई संबंधों को सरल, स्पष्ट और रोचक रूप में प्रस्तुत करता है। भाषा-विज्ञान में उपयोग होने वाली ऐतिहासिक और तुलनात्मक पद्धतियों को समझने में भी यह सहायक है। भाषा वृक्ष प्रदर्शन के माध्यम से भाषा परिवारों की उत्पत्ति, विकास क्रम, भौगोलिक विस्तार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और भाषाई समानताओं-असमानताओं को एक ही दृश्य में समझाया जा सकता है। इस कार्यक्रम में संध्या, आरती स्वामी, कविता स्वामी, पूजा स्वामी, रेणु कंवर, अनिता आदि विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए भाषा, हिन्दी व्याकरण, विलोम शब्द, वर्ण, व्यंजन आदि क्षेत्रों का भाषा वृक्ष तैयार किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ अमिता जैन ने किया। कार्यक्रम में समस्त संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शैक्षणैतर कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सेमिनार का उद्घाटन सत्र

भारत को विश्व गुरू बनाने की आधारशिला है नई शिक्षा नीति 2020 : विधानसभा अध्यक्ष

ब्यूरो चीफ रविसिंह किरार/ परिष्कार पत्रिका

जयपुर। नई शिक्षा नीति 2020 ऐसी जीवंत दृष्टि है जो राष्ट्र के विकास का प्राण है। यह सिर्फ कागजी दस्तावेज नहीं है बल्कि भारत को विश्व गुरू बनाने की आधारशिला है। इससे ऐसी नई पीढ़ी तैयार होगी जो राष्ट्र प्रथम की अवधारणा से ओतप्रोत होगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उदयपुर जिले के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय शैक्षणैतर कर्मचारी संघ की ओर से आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सेमिनार में नई शिक्षा नीति पर जन प्रतिनिधियों की सहभागिता विषय पर संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए यह विचार व्यक्त किए।

देवनानी ने कहा कि कस्तूरीरंगन के साथ मिलकर नई नीति को अंतिम रूप देने में उनका भी योगदान रहा है। देवनानी ने कहा कि जनप्रतिनिधि स्थानीय स्तर की आवश्यकता के अनुरूप सुझाव देते हैं जिससे नीति निर्धारण की प्रामाणिकता बढ़ती है। नई नीति में रटने और अंक प्राप्त करने के मैकाले के प्रभाव को समाप्त कर आवश्यक सुधार किया गया है। आज बालक की आवश्यकता के अनुरूप तत्व शामिल करते हुए मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया गया है। देवनानी ने कहा कि नई नीति में विश्वविद्यालयों के आधारभूत ढांचे के विकास पर भी जोर दिया गया है।

तीन संकल्प लेने का किया अनुरोध - देवनानी ने अपने उद्बोधन के दौरान कर्मचारी संघ को इस तीन दिवसीय आयोजन के दौरान तीन संकल्प लेकर लौटने का अनुरोध किया। राजस्थान के सभी विश्वविद्यालय 2026 तक नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को मूर्त रूप देंगे। शैक्षणेत्तर कर्मचारियों को शिक्षा प्रणाली के केंद्र में रखेंगे तथा जनप्रतिनिधियों व विश्वविद्यालय के बीच आदर्श संबंध स्थापित करेंगे। वार्ता, सहभागिता और साझा लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ने का मंत्र देते हुए उन्होने कहा कि निर्णय प्रक्रिया में जनप्रतिनिधियों को शामिल करना चाहिए। विश्वविद्यालय सद्नागरिक तैयार करें और रोजगारपरक शिक्षा के केंद्र बनें। विश्वविद्यालय राजनीति का केंद्र ना बने तो नई शिक्षा नीति के लागू करने में और अधिक आसानी होगी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में राज्यपाल सलाहकार प्रोफेसर कैलाश सोडाणी ने नई शिक्षा नीति को विद्यार्थियों के हित में बताते हुए इसके क्रियान्वयन पर जोर दिया। कार्यक्रम में अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक रिक्त पदों को भरे जाने तथा इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु राज्य सरकार स्तर पर फंड उपलब्ध कराए जाने के बारे में राज्य सरकार से निवेदन किया। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एवं कर्मचारी संघ मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संरक्षक भरतव्यास ने विश्वविद्यालय में घटती हुई कर्मचारियों की संख्या के बारे में चिंता जताते हुए कहा की नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए अंत में अध्यक्ष प्रवीण सिंह सारंगदेवोत ने नई शिक्षा नीति एवं भारतीय शिक्षा नीति के बीच संबंध पर चर्चा करते हुए नई शिक्षा नीति क्रियान्वयन हेतु कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक स्तर पर सकारात्मक सहयोग हेतु आश्वस्त किया।

सुविचार

जब कोई
बोलना छोड़कर,
सिर्फ
सुनने लग जाए,
तो समझ लेना,
तुमने खो दिया
उस इंसान को .....

PARISHKAR NEWS 24 x 7
Parishkar Media Network

प्रकाशन के लिए अपने समाचार, विज्ञापन, संदेश भेजें या मेल करें -

संपादक, परिष्कार पत्रिका,
संपादक, भव्य परिष्कार
रजि. कार्यालय : प्लाट नं. 89, संतोषनगर, अजमेर रोड़, जयपुर-302006
ब्रांच ऑफिस : शॉप नं 2, प्लाट नं 36 भैरव नगर, ईएसआई के पास, हटवाड़ा रोड़, जयपुर-06
मो : 9314407796, 9351311820
parishkarpatrika@gmail .com
अधिक खबरों के लिए परिष्कार पत्रिका की वेबसाइट पर देखें
www.parishkarpatrika .com
YouTube Channel : Parishkar Patrika

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक और संपादक रवि सिंह किरार द्वारा एम बी प्रिन्टर्स डिग्गी हाऊस, एफ 76 करतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा 89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर से प्रकाशित। फोन नं. 9314407796 parishkarpatrika@gmail.com www.parishkarpatrika.com, www.parishkarpatrika.page प्रधान संपादक हेमलता किरार तथा सलाहकार श्रवण सिंह किरार, विजय सिंह किरार, प्रचार एवं प्रसार प्रबंधक डी कुमार चित्र, शायर सिंह किरार, अंशुल किरार 8764400196 Whatsup